



# भारत का दृष्टापत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

M

सं. 352]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 19, 1994/श्रावण 28, 1916

No. 352]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 19, 1994/SRAVANA 28, 1916

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1994

मा. का. नि. 648 (अ) :—मोटरगान (पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अधिकार भारतीय परमिट) नियम, 1993 को संशोधन करने के लिए कठिपय नियमों का निम्ननिवित प्रलैप, जिसे केन्द्रीय सरकार मोटरगान अधिनियम, 1988 (1988-ना 59) का वार्ता 88 की उपधारा (14) और धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है, और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना से युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करादी जाती हैं, पैंतीलीस दिन की अवधि की समति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा:

किसी ऐसे आक्षेप या सुझाव पर, जो उक्त प्रारूप नियम की बाबत ऊपर इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले किसी व्यक्ति से प्राप्त किया जाए, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी;

इस संबंध में आक्षेप या सुझाव संयुक्त सचिव (परिवहन), जल भूतल परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष), परिवहन भवन, संताद मार्ग, नई दिल्ली—110001 को भेजे जा सकते हैं।

## प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मोटरगान (पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अधिकार भारतीय परमिट) संशोधन नियम, 1994 है।

(2) ये राजनीति में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मोटरगान (पर्यटक परिवहन आपरेटरों के लिए अधिकार भारतीय परमिट) नियम, 1993 के (जिसे

इसमें इसके पर्याप्त उक्त नियम कहा गया है) नियम 2 में, खंड (छ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अवधि:—

(छ) "पर्यटक परिवहन आपरेटर" से अभिप्रेत है:—

(क) ऐसी कंपनी या ऐसा अधिकारी, जो पर्यटक परियोजनों पर पर्यटक परिवहन यानों की व्यवस्था करके पर्यटन के संबंधित यानों को पर्यटक परिवहन यानों के संबंधित यानों के साथ जानकारी में लगी हुई है या यानों को पर्यटक परिवहन यानों के साथ जानकारी है; या

(ख) किसी कंपनी या किसी अधिकारी द्वारा चलाया जा रहा कोई ऐसा यानों की व्यवस्था करके परियोजन के लिए कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर लिया है), जो बायु, रेल, पोत द्वारा यानों के लिए सभी टिकटों, पासरोट, बीजा की व्यवस्था करता है और वास-मुविधा पर्यटन, मनोरंजन तथा अन्य पर्यटन से संबंधित सेवाओं को भी व्यवस्था करता है; या

(ग) ऐसा पर्यटन आपरेटर (कंपनी या अधिकारी), जो परिवहन, वास-मुविधा, दृश्य-दर्शन, मनोरंजन और पर्यटकों के लिए अन्य पर्यटन से संबंधित सेवाओं की व्यवस्था करता है तथा जिसके पास अन्य यानों की व्यवस्था करता है या जिसने यानों को इस प्रयोजन के लिए कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर लिया है और वह भारत सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है।

3. उक्त नियम में, चौथी अनुसूची और पांचवीं अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अवधि:—

चौथी अनुसूची

[नियम 15 (1) देखिए]

अ. अनुमोदित पर्यटक परिवहन आपरेटर के रूप में भान्यता के लिए पान्त्रित की जाएगी।

1. मान्यता के लिए सभी आवेदन पर्यटन महानिदेशक, परिवहन भवन, सं. 1, संनद सर्ग, नई दिल्ली 110001- के पास पर भेजे जाएंगे।

2. (i) मान्यता प्रदान करने के लिए आवेदन विहित प्रारूप में होगा।

(ii) आवेदन, आवेदन के समय, कम से कम दो वर्ष की अवधि तक पर्यटक परिवहन भाइड़ कारबार में रहा हो।

(iii) पर्यटक परिवहन आपरेटर ने उपर्युक्त दो वर्ष की अवधि में पर्यटक यानों के लिए संबंध एस.टी.ए./पार.टी.ए. द्वारा जारी किए गए कम से कम तीन

पर्यटक परिवहन परिवालित किया हो। इन तीन पर्यटक यानों में से कम से कम एक कार अवश्य होनी चाहिए।

(iv) आवेदक को, पर्यटक को विमान पत्तन, रेलवे ट्रेस्यून, आदि से स्थानांतरित करने के लिए शिविरी और शिविरी दोनों पर्यटकों को दृश्य-दर्शन कराने के लिए पर्यटक परिवहन यानों का प्रबंध करने की पर्याप्त जानकारी हो।

(v) पर्यटक यानों के द्वाइपरों के पास उचित बद्दी हो और पर्यटक को दृश्य-दर्शन के लिए ले जाने की पर्याप्त जानकारी हो।

(vi) आवेदक के पास यानों के लिए समुचित पार्किंग स्थान हो।

(vii) पर्यटक परिवहन आपरेटर, पर्यटक परिवहन यानों को परिवालित करने का कारबार चलाने के लिए समुचित प्राविकारी के पास रजिस्ट्रीकूट हो।

3. (क) पर्यटक परिवहन कारबार चलाने की दो वर्ष की अवधि को उन आवेदकों की दशा में एक वर्ष तक गियिल की जा सकेगी, जिन्होंने उचित एम.टी.ए./आर.टी.ए. परमिटों पर एक वर्ष के लिए पांच पर्यटक यानों को चलाया है। ये पांच पर्यटक यान कार/बातानु-कुलिन कोच/मिनी कोच/नीका में से किसी को मिलाकर हो सकते हैं, परंतु पर्यटक यानों के एकीट में व्यूतलम या कम से कम दो कार हों;

(ख) भूतूर्व रखा कार्मिकों के लिए पर्यटक परिवहन यानों के दो वर्ष तक कारबार में होने और तीन यान होने की शर्त शिविलीय है, परंतु यह तब जब कि अध्यर्थी पुनर्वास महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, द्वारा समर्थित हो। ऐसे कार्मिकों की दशा में, वे केवल एक पर्यटक यान से पर्यटक परिवहन कारबार चला सकते हैं। तथापि, ऐसे भूतूर्व रखा कार्मिकों को, जो इस स्कॉल के अधीन आवेदन करते हैं; पर्यटक परिवहन कारबार को स्वर्व चलाना चाहिए और अन्य वित्तानालों का भाड़े का आदमी नहीं होता चाहिए;

(ग) पर्यटक परिवहन आपरेटर के अनुमोदन के लिए दो वर्ष की अवधि तक परिवहन में होने की शर्त को भी उन आवेदकों की दशा में शिविल की जा सकेगी, जिन्होंने अपना कारबार नीडे वर्गिन केन्द्रों में अवस्थित किया है:—

(1) अमृतसर (पंजाब)

(2) बोधगया (बिहार)

(3) भोगल (मध्य प्रदेश)

(4) भुवनेश्वर (उडीगा)

(5) चंडीगढ़

(6) गोवा

- (7) हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)
- (8) हरिद्वार (उत्तर प्रदेश)
- (9) खजुराहो (मध्य प्रदेश)
- (10) पोटे लेयर (अंडमान और निकोबार)
- (11) पठानकोट (पंजाब)
- (12) श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)
- (13) तिरुचिरापल्ली (तमिऩ्नाडु)
- (14) उदयपुर (राजस्थान)
- (15) विषाणुवापत्तनम् (आंध्र प्रदेश)

4. पर्यटक परिवहन आपरेटर से मान्यता के लिए आवेदन करते समय एक बार में 500 रु. की अप्रतिदेय फीस का संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी। फीस बैंक ड्रापट के रूप में बेतन और लेखा अधिकारी, पर्यटन विभाग, को सदेय होगी।

5. आवेदक को आय-कर निर्धारिति होना चाहिए और इस सबूत के रूप में कि उसने आलू निर्धारण वर्ष के लिए आय-कर विवरणी फाइल को है, अभिस्वॉक्टि प्रमाणपत्र की प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

6. मान्यता के मामले में भारत सरकार का विविध अंतिम होगा। भारत सरकार, अपने विवेकनृसार किसी फर्म को मान्यता देने से इकार कर सकेगी या पहले से अनुदत्त मान्यता को किसी भी समय कोई कारण बताए छिना वापस ले सकेगी / निर्धारित कर सकेगी।

7. एक बार प्रदान की गई मान्यता, उनके हम कारबाह में बने रहने और उनकी आय-कर की ओरति विवरणी तथा अन्य विविडियां प्रस्तुत करने के अवैत रहते हुए, तब तक बनी रहेगी जब तक कि उस प्रति-संहृत नहीं कर दिया जाता।

8. मान्यता अनुदत्त पर्यटक परिवहन आपरेटर, ऐसे प्रोत्साहन और रियायतों का, जो सरकार द्वारा समय-समय पर दिया जाए, हक्कादार होगा और समय-समय पर, यथाविहित, मान्यता के निबंधनों और शर्तों का पालन करेगा।

आ. अनुमोदित यात्रा अभिकरण के रूप में मान्यता के लिए पावता की शर्तें।

1. मान्यता के लिए भभी आवेदन पर्यटक महानिदेशक, परिवहन भवन, सं. 1, संपद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के पाते पर भेजे जाएंगे।

2. पर्यटन विभाग द्वाय मान्यता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित शर्तें यात्रा अभिकरण द्वारा अवश्य पूरी की जानी चाहिए:—

(i) मान्यता प्रदान किए जाने के लिए आवेदन विहित प्ररूप में होगा।

(ii) यात्रा अभिकरण के पास न्यूनतम 2.00 लाख रुए की सपादत पूँजी हो, जो संपरीक्षित तुलनपत्र/चार्टर्ड अकाउंटेंट के प्रमाणपत्र द्वारा सम्पूर्ण रूप से समर्थित हो।

(iii) यात्रा अभिकरण, अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संगम (आ. वा. प. स.) या किंगो अ. वा. प. स. सदस्य एयरलाइन्स के सावधारण विक्रय अभिकर्ता (सा. वि. अ.) द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।

(iv) यात्रा अभिकरण के पास उसके कर्मजारिवृद्ध के ऐसे पूर्णकालिक सवस्य के प्रभार में एक आर्थिक हो, जो डिक्ट, यात्राओं, परिवहन, आस-पुष्टिधारों, करेंटी, सीमाशुल्क विनियमों तथा अन्य यात्रा और पर्यटन संबंधी सेवाओं से संबंधित विवरों में पर्याप्त रूप से प्रिंगिश्ट्रा/प्रमुखी हो।

(v) यात्रा अभिकरण आवेदन की तारीख से पहले एक वर्ष की अवधि तक परिवाजत में रहा हो।

(vi) यात्रा अभिकरण आय-कर निर्धारित हो और उसने आलू निर्धारण वर्ष के लिए आय-कर विवरणी फाइल को हो।

3. यात्रा अभिकरण के रूप में एक बार प्रदान की गई मान्यता, उसकी अ. वा. प. स. की सदस्यता बनी रहने या अ. वा. प. स. सदस्य एयरलाइन्स के सा. वि. अ. के रूप में बने रहने और उसकी आय-कर की अपेक्षित आर्थिक विवरणी तथा अन्य विविडियां प्रस्तुत करते के अधीन रहे हुए, तब तक वनी रहेगी जब तक कि उसे वापस नहीं ले लिया जाता।

4. यात्रा अभिकरण से मान्यता के लिए आवेदन करते समय एक बार में 1,000 इ. की अप्रतिदेय फीस का संदाय फरम की अपेक्षा की जाएगी। फीस बैंक ड्रापट के रूप में बतन और लेखा अधिकारी, पर्यटन विभाग को सदेय होगी। प्रत्येक यात्रा कार्यालय की मान्यता के लिए फीस 500 रु. होगी।

5. मान्यता यात्रा अभिकरण के मुख्यालय कार्यालय को प्रदान की जाएगी। शाखा कार्यालयों को मुख्यालय कार्यालय के साथ या बाद में अनुमोदित किया जाएगा, परंतु यह तब जबकि शाखा कार्यालयों की विविडियां पर्यटन विभाग को प्रस्तुत की जाती हैं और उसके द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं।

6. मान्यता के मामले में पर्यटन विभाग, भारत सरकार का विविध अंतिम होगा। भारत सरकार, अपने विवेकनृसार, किसी फर्म को मान्यता देने से इकार कर सकेगी या पहले से अनुदत्त मान्यता को करी भी समर कोई कारण बताए विना वापस ले सकेगी/निर्धारित कर सकेगी।

7. मान्यता अनुदत्त यात्रा अभिकरण, ऐसे प्रोत्साहन और रियायतों को, जो सरकार द्वारा समय-समय पर दिया हुए होंगा और समय-समय पर यथाविहित मान्यता के निबंधनों और शर्तों का पालन करेगा।

8. अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता के लिए आवेदन की शर्तें:—

1. मान्यता के लिए सभी आवेदन, पर्यटन महानिदेशक, पर्यटन परिवहन भवन, सं. 1, सेसड मार्ग, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेजे जाएँ :
2. (i) मान्यता प्रदान किए जाने के लिए आवेदन विहित प्रलूप में होगा।
- (ii) पर्यटन आपरेटर के पास म्यूनतम 1.00 लाख रुपए की समादत्त पूँजी होनी चाहिए, जो कि नवीनतम बैलेसशीट के रूप में चार्टर्ड-एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित एवं अग्रसारित की होनी चाहिए।
- (iii) फर्म द्वारा विदेशी भुजा या भारतीय रुपए के रूप में केवल पर्यटन परिचालन ने अधापारावर्तन म्यूनतम 5.00 लाख रुपए होना चाहिए जो चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के प्रमाणपत्र द्वारा समर्थित हो।
- (iv) पर्यटन आपरेटर के पास उसके कर्मचारिकृद के ऐसे पूर्णकालिक सदस्य के प्रभार में एक कार्यालय हो, जो परिवहन, वास-सुविधा, करेंसी, सीमांशुलक विनियमों तथा यात्रा बांग्र पर्यटन से संबंधित सेवाओं के बारे में साधारण ज्ञानकारी से संबंधित विषयों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित/अनुभवी हो।
- (v) पर्यटन आपरेटर आवेदन की सारी ख से पहरे कम से कम एक वर्ष की अद्यतितक परिचालन में रहा होना चाहिए।
- (vi) पर्यटन आपरेटर की आय-कर निर्धारित होना होगा और उसने वालू निर्धारण वर्ष के लिए आय-कर विवरणी फाइल की हो।

3. अनुमोदित पर्यटन आपरेटर के रूप में एक वार प्रदान की गई मान्यता, उनके इस कारबार में बने रहने और उनकी आयकर की अपेक्षा वापिकी विवरणी तथा अन्न विशिष्टियां प्रस्तुत करने के आधार रहते हुए जब नक जारी रहेंगी जब तक कि उसे वापस नहीं ले लिया जाता।

4. पर्यटन आपरेटर से मान्यता के लिए आवेदन करते समय एक बार में 1000 रु. की अप्रतिदेय फीस का संधाय करने की अपेक्षा की जाएगी। फीस बैंक ड्राफ्ट के रूप में बैतब और लेखा अधिकारी, पर्यटन विभाग को संदेश होगी। प्रत्येक शाखा कार्यालय की मान्यता के लिए फीस 500 रु. होगी।

5. मान्यता पर्यटन आपरेटरों के मुख्यालय/कार्यालय को प्रदान की जाएगी। शाखा कार्यालयों को मुख्यालय/कार्यालय के साथ या बाद में अनुमोदित किया जाएगा,

परंतु यह तब जबकि शाखा कार्यालयों की विशिष्टियां पर्यटन विभाग को प्रस्तुत की जाती हैं और उसके द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं।

6. मान्यता के मामले में पर्यटन विभाग, भारत सरकार, का विनियोग अंतिम होगा। भारत सरकार, अपने विवेकानुसार, जिसी फर्म को मान्यता देने के इकार कर सकेगी यह पहले से प्रदान की गई मान्यता को किसी भी समय कोई कारण बताए बिना व.पस ले सकेगी/विवारित कर सकेगी।
7. मान्यता प्राप्त पर्यटन आपरेटर, ऐसे प्रोत्साहन और स्थिरायतों का, जो सरकार द्वारा समय-समय पर दिए जाएं, का हकदार होता और पर्यटन विभाग, भारत सरकार, द्वारा समय-समय पर यथाविहित मान्यता के निवधनों और शर्तों का पालन करेगा।

### पांचवीं अनुसूची

#### [नियम 15(2) देखिए]

अ. अनुमोदित पर्यटक परिवहन आपरेटर के रूप में मान्यता के लिए आवेदन का प्रलूप

1. फर्म का नाम, पता, टेलीफोन, टैक्सीस और फैक्स संख्यांक सहित।
2. फर्म की शाखा और उपके रजिस्ट्रेकरण/कारबार के प्रारंभ की तारीख, दस्तावेज/ सबूत सहित।
3. क्या कार्यालय आवासीय/ वाणिज्यिक/ औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है।
4. स्वतंत्रार्थी/प्रवंश निवेशक का नाम, अनुभव, अहंताएँ।
5. कर्मचारिकृद की, जिसके अन्तर्गत ड्राईवर भी हैं, कुल संख्या।
6. यात्रा अभिकर्ताओं/पर्यटन आपरेटरों/होटलों/एयरलाइन्स के नाम, जिनके साथ अधिकतर कारबार किया जाता है।
7. कृपया चालू निर्धारण वर्ष की आय-कर विवरणी के संबंध में अभिस्थीति प्रमाणपत्र की प्रति सहित आवेदन की तारीख के पूर्ववर्ती वर्ष संबंधी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संपरीक्षित तुलन पत्र तथा लाभ और हानि विवरण की प्रति संलग्न करें।

8. कृपया आवेदन की तारीख को जो अूण और बंधक हैं, उन्हें उप-वर्णित करें।
9. यानों की, अर्थात् वातानुकूलित कोचों, अवातानुकूलित कोचों, मिनी कोचों, कारों और नौकाओं की, जो पर्यटक यानों के रूप में चलाई जाती हैं, संख्या, उनके मेक, माडल और रजिस्ट्रीकरण सहित।
10. पर्यटक यानों के लिए आर.टी.ए./एस.टी.ए. द्वारा जारी किए गए विविधात्ये परमिटों और पर्यटक यानों की आर.सी.पुस्तिकाओं की अनुप्रसारित प्रतियां दी जानी चाहिए।
11. वेतन और लेखा मधिकारी, पर्यटन प्रि भाग, नई दिल्ली के पक्ष में 500 रु० के बैंक मांगदेय ड्राफ्ट को सं. और तारीख।

तारीख :

इस्ताक्षर .....  
पठनाम .....कंपनी की रद्द की  
मोहर

भा। अनुमोदित यात्रा अभिकरण के रूप में मान्यता के लिए अबद्दन का प्रस्तुप

1. प्रधान कार्यालय और शाखा अधिकारों के नाम और पते।
2. फर्म की प्रकृति और वह वर्ष जब फर्म का रजिस्ट्रीकरण किया गया था या कारबार प्रारंभ किया गया था, दस्तावेजी संबूत सहित।
3. निवेशकों/भागीदारों, आदि के नाम/अन्य कारबार में उनके हितों के, यदि कोई हैं, व्यारे भी उप-वर्णित किए जाएं।
4. नियोजित कर्मचारियों, उनकी अनुभव, वेतन और फर्म में सेवाकाल की विशिष्टियाँ हैं।
5. बैंककारों के नाम (कृपया मपने बैंककारों से एक प्रतनिर्देश संलग्न करें)।

6. लेखा परीक्षकों के नाम/कंपनी विधि के प्रधीन यथाधित याता कारबार से संबंधित तुलनपत्र तथा लाभ और हानि विवरण प्रत्येक आवेदक द्वारा अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ये संवरीधित विवरण गत समाप्त हुए वित्तीय वर्ष या आपके आवदन के प्रस्तुत किए जाने की तारीख वे: ठीक पूर्व के कलैंडर वर्ष के लिए आपके स्थापन के संबंध में होने चाहिए। निम्नलिखित विवरण में घपने व्यापारवर्ते के ब्यौरे भी प्रस्तुत करें:—

संबद्ध यात्रा अभिकरण का नाम और उसकी विशिष्टियाँ

- (क) समादत पूँजी
- (ख) अूण
  - (i) प्रतिमूल
  - (ii) प्रप्रतिमूल
- (ग) आरम्भित
- (घ) चालू शायित्व और उपबंध
- (ङ) योग:
  - (च) स्थिर आस्तियां (जिसके अन्तर्गत अमूर्त आस्तियां नहीं हैं)
  - (छ) विनिधान
  - (ज) चालू आस्तियां
  - (झ) अमूर्त आस्तियां
  - (ञ) योग:—

टिप्पण :—

- (i) आरक्षित में लाभ और शानि लेखा का अतिशेष सम्मिलित होगा और करावान आरक्षित अवर्जित होगी।
- (ii) चालू शायित्वों और उपबंधों में कराधान आरक्षित सम्मिलित होगी।
- (iii) चालू आस्तियों में अन्यान्य अूण, अूण और अप्रिम, नक्कर और बैंक अतिशेष सम्मिलित होंगे।
- (iv) अमूर्त आस्तियों में गुडविल, प्रारम्भिक व्याप, अभिधारण और कारबार अधिकार, आस्थगित राजस्व व्यय, नंचित हानि, आदि सम्मिलित होंगे।

7. चालू निर्धारण वर्ष के लिए आय-कर विवरणी के संबंध में अभिस्वीकृति प्रभाणपत्र की प्रति संलग्न की जानी चाहिए।

8. क्या यात्रा संबंधित कियाकलाप के अलावा फर्म हारा कोई अन्य क्रियाकलाप किए जाते हैं।

9. कृपया फर्म हारा धारित वाय/पोट परिवहन/रेलवे टिकट अभिकरणों को उपदण्डित करें।

10. अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा संगठनों, यदि कोई हैं, की सदस्यता उपदण्डित करें।

11. अ.वा.प.स. का अनुमोदन पद और चालू वर्ष के लिए पृष्ठाकान प्रमाणपत्र संलग्न करना चाहिए। अ.वा.प.स. एप्रलाइन्स के मा.वि.अ. को इस संबंध में दस्तावेजी संतुर संलग्न करना चाहिए।

12. कृपया मान्यता के लिए फीस के रूप में प्रधान कार्यालय के लिए 1,000 रु. और प्रत्येक शाखा कार्यालय के लिए 500 रु. का मांगदेय ड्रापट संलग्न करें और इस संबंध में मांगदेय ड्रापट सं०, तारीख और रकम का उल्लेख करें।

स्वतंत्रार्थी/भागीदार/उत्तराधिकारी  
के दस्तावेज़ रखने की मोहर

इ. अनुभोवित पर्यटन आपरेटर के रूप में मान्यता के लिए आवेदन का प्ररूप

1. प्रधान कार्यालय और शाखा कार्यालयों के नाम और पते।

2. फर्म की प्रकृति और वह वर्ष जब फर्म का रजिस्ट्रीकरण किया गया था या कारबाहर प्रारम्भ किया गया था, दस्तावेजी संबूत सहित।

3. निवेशकों/भागीदारों, भादि के नाम। अन्य कारबाहर में उनके हितों के, यदि कोई हैं, द्वारे भी उपवर्णित किए जाएं।

4. नियोजित कमेचारिवृद्धि, उनकी अर्हताओं, अनुभव, वेतन और फर्म में सेवाकाल की विशेषितियाँ दें।

5. बैंककारों के नाम (कृपया अपने बैंककारों से एक प्रतिनिवेश संलग्न करें)।

6. लेखा परीक्षकों के नाम। कम्पनी विधि के अन्तीम व्याविहित पर्यटन परिचालन कारबाहर से संबंधित सुलनपत्र तथा लाभ और हानि विवरण प्रत्येक आवेदक हारा ग्रवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ये संपरीक्षित विवरण गत समाप्त हुए वित्तीय वर्ष या आपके आवेदन के प्रस्तुत किए जाने की तारीख के छोटे पूर्व के कलैडर वर्ष के लिए आगे ही स्थान के संबंध में होने चाहिए। निम्नलिखित विवरण में अपने व्यापारावर्त के द्वारे भी प्रस्तुत करें:—

संबंध याका अभिकरण का नाम और उसकी विशेषितियाँ

- (क) समावृत्त पूँजी
- (ख) ऋण
- (ि) प्रतिशूल
- (ु) अप्रतिशूल
- (ग) आरक्षिति
- (घ) चालू आवित्व और उपर्युक्त
- (ङ) योग:
- (च) दिव्यर आस्तियाँ (जिसके अंतर्गत भ्रमूर्त आस्तियाँ नहीं हैं)
- (छ) विनिधान
- (ज) चालू आस्तियाँ
- (झ) भ्रमूर्त आस्तियाँ
- (ञ) योग:

टिप्पण :—

- (i) आरक्षिति में लाभ और हानि लेखा का प्रतिवेष सम्बलित होगा और कराधान आरक्षिति अपवर्जित होगी।
- (ii) चालू आवित्व और उपर्युक्त में कराधान आरक्षिति सम्बलित होगी।

(iii) आलू आस्तियों में प्रन्थान्य  
आग, शूष्ण और अधिम, तकद  
और बैंक प्रतिलेप सम्पत्ति  
होंगे।

(iv) प्रूत आस्तियों में गुडबिल,  
प्रारंभिक व्यय, अभिधारण  
और कारवार अधिकार,  
आस्थगित राजस्व व्यय,  
सचित हानि, प्रादि सम्प-  
त्ति होंगे।

7. चालू निधीरण वर्ष के लिए प्राय-  
कर विवरणी के संबंध में अभि-  
स्वीकृति प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न  
की जानी चाहिए।

8. क्या पर्यटन से संबंधित क्रियाकलाप  
के ग्रालावा फर्म द्वारा कोई अन्य  
क्रियाकलाप किए जाते हैं।

9. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा संगठनों का सदस्य।

10. (क) आवेदन की तारीख तक  
संचालित पर्यटक यातायात  
के परिमाण के ब्यौरे दीजिए  
जिसमें बिदेश और अंत-  
र्राष्ट्रीय पर्यटक यातायात  
को पूर्थक-पूर्थक दर्शात किया  
गया हो। क्षणया चार्टहै  
शफाउटेट से एक प्रमाण-  
पत्र प्रस्तुत करें। इस प्रमाण-  
पत्र में पर्यटन परिवालन से  
केवल वित्तीय वर्षे या  
यापके आवेदन के प्रस्तुत  
करने की तारीख के ठीक पूर्व  
के कलैडर वर्ष के दौसन  
प्राप्त रसीदें वर्णित होनी  
चाहिए।

(ख) ग्राहक यदि विशेष पर्यटक  
समूहों का संचालन किया  
गया हो तो उनका परिवान,  
आइलि, प्रादि।

(ग) देशी पर्यटक यातायात के  
संबंधन के लिए उठाए गए  
करम और संचालित समूहों  
के व्यांग, यदि कोई हों।

(घ) विदेशी पर्यटकों के लिए  
आयोजित विशेष कार्यक्रम,  
यदि कोई हों।

11. रांचालित सम्मेलनों की, परि-  
कोर्ही हो, संख्या और यात्रानों  
प्रादि के ब्यौरे सहित ऐसे सम्मेलनों  
के लिए यात्रियों की कुल संख्या।

12. संचालित प्रोत्साहन पर्यटनों की  
संख्या।

13. कृपया मान्यता के लिए फीस के  
रूप में प्रधान कार्यालय के लिए  
1000 रु. और प्रत्येक शाखा  
कार्यालय के लिए 500 रु. का  
मांगदेय ड्राफ्ट संलग्न कीजिए और  
इस स्तम्भ के संबंध में मांगदेय ड्राफ्ट  
संलग्न, तारीख और रकम का उल्लेख  
कीजिए।

स्थान : स्वत्वधारी/भागीदार/प्रबंध निदेशक के हस्ताक्षर  
तारीख : फर्म की रव॑ड की मोहर

[फा०स० आर०टी०-११०५३/१/९४-एमबीएल]  
सी०ए०स० बैरवाल, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th August, 1994

G.S.R. 648(E).—The following draft of certain rules to amend Vehicles (All India Permit for Tourist Transport Operators) Amendment Rules, 1993, which the Central Government proposed to make in exercise of the powers conferred by sub-section (14) of section 88 and section 110 of the Motor Vehicle Act, 1988 (59 of 1988) is hereby published as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 45 days from the date on which copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified above will be taken into consideration by the Central Government:

Objections or suggestions in this respect may be forwarded to the Joint Secretary (Transport), Ministry of Surface Transport (Transport Wing), Transport Bhawan, Parliament Street, New Delhi-110001.

### DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Motor Vehicles (All India Permit for Tourist Transport Operators) Amendment Rules, 1994

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Motor Vehicles (All India Permit for Tourist Transport Operators) Rules, 1993 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2 for clause (g), the following shall be substituted, namely:—

(g) "Tourist Transport Operator" means.—

- (a) A company or an individual engaged in a business of promotion of tourism by providing tourist transport vehicles on tourist circuits or;
- (b) any travel agency (who possess his own vehicle or have taken a vehicle on lease for this purpose for a period of at least one year) run by a company or an individual provides all tickets for travel by air, rail, ship, passport, visa and also arrange accommodation tours, entertainment and other tourism related services; or
- (c) the tour operator (company or individual who provides for transport, accommodation, sight-seeing entertainment and other tourism related services for tourists and who possesses his own vehicle or has taken a vehicle on lease for this purpose for a period of at least one year and is recognised by the Department of Tourism of the Government of India).

3. In the said rules for Schedule Fourth and Fifth following shall be substituted, namely:—

### FOURTH SCHEDULE

See Rule 15(1)

#### A. ELIGIBILITY CONDITIONS FOR RECOGNITION AS APPROVED TOURIST TRANSPORT OPERATOR

1. All applications for recognition shall be addressed to the Director General of Tourism, Transport Bhawan No. 1, Parliament Street New Delhi-110 001.

2. (i) The application for grant of recognition shall be in the prescribed form.

(ii) The applicant has been in the tourist transport hire business for a minimum period of 2 years at the time of application.

(iii) The Tourist Transport operator has operated in the above 2 years period a minimum number of 3 tourist permits issued by the concerned STA/RTA for tourist vehicles. Out of these three tourist vehicles at least one must be a car.

(iv) The applicant has adequate knowledge of handling the tourist transport vehicles for transferring tourist from the Airport, Railway Stations etc. and for sight-seeing of tourists both foreign and domestic.

(v) The drivers of the tourist vehicles have proper uniform and adequate knowledge of taking the tourist for sight-seeing.

(vi) The applicant has proper parking space for the vehicles.

(vii) The Tourist Transport Operator is registered with the appropriate authority for carrying on the business of operating tourist transport vehicles.

3. (a) The 2 years period of operating the Tourist Transport business may be relaxable to 1 year in the case of those applicants who have operated 5 tourist vehicles with the proper STA/RTA permits for 1 year. These 5 tourist vehicles could be in any combination of cars/AC Coaches/Mini Coaches/Boats provided there are minimum or at least 2 cars in the fleet of tourist vehicles.

(b) For Ex-Defence personnel the condition of being in the business of tourist transport vehicles for 2 years and having 3 vehicles is relaxable provided the candidate is sponsored by the Director General of Resettlement, Ministry of Defence, New Delhi. In the case of such personnel they can operate the tourist transport business with 1 tourist vehicle only. However, the Ex-Defence personnel who apply under this scheme must themselves operate the tourist transport business and should not be hireman of other financiers.

(c) The condition of being in operation for 2 years period for tourist transport operator's approval may also be relaxable in the case of those applicants who have located their business at the centres mentioned below:—

- (i) Amritsar (Punjab)
- (ii) Bodhgaya (Bihar)
- (iii) Bhopal (M.P.)
- (iv) Bhubaneswar (Orissa)
- (v) Chandigarh
- (vi) Goa
- (vii) Hyderabad (A.P.)

- (viii) Hardwar (U.P.)
- (ix) Khajuraho (M.P.)
- (x) Port Blair (A&N)
- (xi) Pathanket (Punjab)
- (xii) Srinagar (J&K)
- (xiii) Tiruchirapalli (TN)
- (xiv) Udaipur (Rajasthan)
- (xv) Visakhapatnam (A.P.)

4. The Tourist Transport Operator will be required to pay a non-refundable one time fee of Rs. 500 while applying for the recognition. The fee will be made payable to the Pay & Accounts Officer, Department of Tourism in the form of a Bank Draft.

5. The applicant should be income tax assessee and should submit copy of acknowledgement certificate as proof of having filed income tax return for current assessment year.

6. The decision of the Government of India in the matter of recognition shall be final. The Government of India may in their discretion refuse to recognise any firm or withdraw/withhold at any time recognition already granted without assigning any reason.

7. Recognition once granted shall continue unless revoked and subject to their continuance in this business and their submitting the requisite return of Income Tax and other particulars.

8. Tourist Transport Operator granted recognition shall be entitled to such incentives and concessions as may be granted by Govt. from time to time and shall abide by the terms and conditions of recognition as prescribed from time to time.

#### B. ELIGIBILITY CONDITIONS FOR RECOGNITION AS APPROVED TRAVEL AGENCY

1. All applications for recognition shall be addressed to the Director General of Tourism, Transport Bhawan, No. 1 Parliament Street New Delhi-110001.

2. The following conditions must be fulfilled by the Travel Agency for grant of recognition by Department of Tourism :—

- (i) The application for grant of recognition shall be in the prescribed form.
- (ii) The Travel Agency has a minimum paid-up capital of Rs. 2.00 lakhs duly supported by the audited balance sheet/Chartered Accountant's certificate.

- (iii) The Travel Agency should be approved by International Air Transport Association (IATA) or General Sales Agent (GSA) of an IATA member Airlines.
- (iv) The Travel Agency has an office under the charge of a full time member of their staff, who is adequately trained/experienced in matters regarding ticketing, itineraries, transport, accommodation facilities, currency, customs regulations and other travel and tourism related services.
- (v) The Travel Agency has been in operation for a period of one year before the date of the application.
- (vi) The Travel Agency is an income-tax assessee and has filed Income Tax Return for the current assessment year.

3. Recognition as Travel Agency once granted shall continue unless withdrawn and subject to their continued membership of IATA or continuance as GSA of IATA member airlines, as the case may be, and their submitting the requisite annual return of Income Tax and other particulars.

4. The Travel Agency will be required to pay a non-refundable one time fee of Rs. 1000/- while applying for the recognition. The fee will be payable to the Pay & Accounts Officer, Department of Tourism, in the form of a Bank Draft. Fee for recognition of each Branch Office will be Rs. 500/-.

5. Recognition will be granted to the Headquarters Office of the Travel Agency. Branch Offices will be approved along with the Headquarters Office or subsequently, provided the particulars of the Branch Offices are submitted to Department of Tourism and accepted by it.

6. The decision of the Department of Tourism, Government of India in the matter of recognition shall be final. The Government of India may, in their discretion, refuse to recognise any time or withdraw/withhold at any time recognition already granted without assigning any reason.

7. Travel Agency granted recognition shall be entitled to such incentives and concessions as may be granted by the Government from time to time and shall abide by the terms and conditions of recognition as prescribed from time to time.

#### C. ELIGIBILITY CONDITIONS FOR RECOGNITION AS APPROVED TOUR OPERATOR

1. All applications for recognition shall be addressed to the Director General of Tourism, Transport Bhawan, No. 1, Parliament Street, New Delhi-110 001.

2. (i) The application for grant of recognition shall be in the prescribed form.

(ii) The Tour Operator should have a minimum paid-up capital of Rs. 1.00 lakh duly supported by the latest audited balance sheet|Chartered Accountant's certificate.

(iii) The turn-over in terms of foreign exchange or Indian rupees by the firm from tour operation only should be a minimum of Rs. 5.00 lakhs duly supported by Chartered Accountant's certificate

(iv) The Tour Operator has an office under the charge of a full time member of their staff, who is adequately trained|experienced in matters regarding transport, accommodation, currency, customs regulations and general information about travel and tourism related services.

(v) The Tour Operator should have been in operation for a minimum period of one year before the date of application.

(vi) The Tour Operator will have to be income-tax assessee and should have filed Income Tax return for the current assessment year.

3. The recognition as Approved Tour Operator once granted shall continue unless withdrawn subject to their continuance in this business and their submitting the requisite annual return of Income Tax and other particulars.

4. The Tour Operator will be required to pay a non-refundable one time fee of Rs. 1,000 while applying for the recognition. The fee will be made payable to the Pay & Accounts Officer, Department of Tourism in the form of a Bank Draft. The fee for recognition of each Branch Office will be Rs. 500.

5. Recognition will be granted to the Headquarters Office of Tour Operators. Branch Offices will be approved along with the Headquarters Office or subsequently, provided the particulars of the Branch Offices submitted to Deptt. of Tourism and accepted by it.

6. The decision of the Department of Tourism, Government of India, in the matter of recognition shall be final. The Government of India may, in their discretion, refuse to recognise any firm or withdraw|withhold at any time recognition already granted without assigning any reason.

7. Tour Operator granted recognition shall be entitled to such incentives and concessions as may be granted by Government from time to time and shall abide by the terms and conditions of recognition as prescribed from time to time by the Department of Tourism, Govt. of India.

## FIFTH SCHEDULE

See Rule 15(2)

### A. APPLICATION FORM FOR RECOGNITION AS APPROVED TOURIST TRANSPORT OPERATOR

1. Name of the firm with address, telephone, telex and fax number.
2. Nature of the firm and date of registration|commencement of business with documentary proof
3. Whether the office is located in residential|commercial|Industrial area.
4. Name, experience qualifications of the proprietor|Managing Director
5. Total number of staff including Drivers.
6. Name of the Travel Agents|Tour Operators|Hotels|airlines with whom most bus areas is transacted.
7. Please attach a copy of the audited balance sheet and profit & loss statement duly certified by the Chartered Accountant for the year preceding the date of application alongwith copy of acknowledgement certificate in respect of Income Tax Return for current assessment year.
8. Please indicate the loans and mortagages on the date of application.
9. Number of Vehicles viz. AC Coaches non AC Coaches, Mini Coaches, cars and Boats operated as tourist vehicles with their make, model and Registration.
10. Attested copies of valid permits issued by RTA|STA for tourist vehicles and AC Books of Tourist vehicles should be furnished.
11. No. and date of Bank Demand Draft for Rs. 500 in favour of Pay & Accts. Officer, Deptt. of Tourism, New Delhi.

Signature\_\_\_\_\_

Designation\_\_\_\_\_

Rubber Stamp of Company.

**B. APPLICATION FORM FOR RECOGNITION AS APPROVED TRAVEL AGENCY**

1. Name and address of Head Office & Branch Offices.
2. Nature of the firm and the year when the firm was registered or commenced business, with documentary proof.
3. Name of Directors/Partners etc. The details of their interests, if any, other business may also be indicated.
4. Give particulars of staff employed, their qualifications, experience, salary and length of service with the firm.
5. Name of Bankers (Please attach a reference from your bankers).
6. Name of Auditors. A balance-sheet and Profit & Loss statement pertaining to the travel business, as prescribed under Company Law, must be submitted by each applicant. These audited statements should be in respect of your establishment for the last completed financial year or for the calendar year immediately preceding the date of submission of your application. Also furnish details of your turnover in the following statement :—

Name and particulars of the Travel Agency concerned

- (a) Paid up capital
- (b) Loans
  - (i) Secured
  - (ii) Unsecured
- (c) Reserves
- (d) Current liabilities and provision
- (e) Fixed assets (excluding intangible assets)
- (f) Investment
- (g) Current Assets
- (h) Intangible assets

Total : \_\_\_\_\_

**NOTES :**

- (i) Reserves would include balance of Profit & Loss Account and would exclude taxation reserve.
- (ii) Current liabilities and provisions would include taxation reserve.

- (iii) Current assets would include sundry debts, loans and advances, cash and bank balance.
- (iv) Intangible assets would include goodwill, preliminary expenses, tenancy and business rights, deferred revenue expenditure, accumulated loss etc.
7. Copy of acknowledgement certificate in respect of Income Tax Return the current assessment year should be enclosed.
8. Whether any other activities are undertaken by the firm besides travel related activities.
9. Please indicate the air|shipping|railway ticketing agencies held by the firm.
10. Please indicate membership of International Travel Organisations, if any.
11. Letter of approval of IATA and certificate of endorsement for current year should be enclosed. GSAs of IATA Airlines should enclose documentary proof in this regard.
12. Please enclose a Demand Draft of Rs. 1,000 for Head Office and Rs. 500 for each Branch Office as fee for recognition, and mention the DD No. date and amount in this column.

Signature of Prop./Partner/Managing Director  
Rubber Stamp :

**C. APPLICATION FORM FOR REGULARITIES AS APPROVED TOUR OPERATOR**

1. Name and address of Head Office & Branch Offices.
2. Nature of the firm and the year when the firm was registered or commenced business with documentary proof.
3. Name of Directors/Partners etc. The details of their interests, if any, in other business may also be indicated.
4. Give particulars of staff employed, their qualifications, experience, salary and length of service with the firm.
5. Name of Bankers (Please attach a reference from your bankers).
6. Name of Auditors. A balance-sheet and Profit & Loss statement pertaining to tour operation business, as prescribed